T.D.C - I

Psy- 2nd Paper

FREEMIND

Date

Page

CHARACTERISTICS OF ABNORMAL BEHAVIOUR

असामान्य व्यवहार कि विशेषताएँ :-

असामान्य व्यवहार के स्वरूप को और अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए यह आवश्यक है कि इसकी कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डाला जाए. ऐसी कुछ प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित है :—

(i) असम्मान्य व्यवहार समाज विरोधी होता है.

(ii) असामान्य व्यवहार का वास्तविकता से कोई सम्बन्ध नहीं होता है. अतएव यह व्यवहार परिस्थिति के प्रतिकूल होता है.

(iii) असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से असन्तुलित होता है.

(iv) असामान्य व्यक्ति के व्यवहार में सूझ (insight) की पर्याप्त कमी नहीं होती है. उसे कब, क्या और कैसे कोई व्यवहार करना है इसकी समझ अच्छी तरह नहीं रहती है और ना ही उसे 'सही-गलत' या 'उचित - अनुचित' का ज्ञान होता है.

(v) असामान्य व्यवहार 'अनियोजित या कुसमायोजित' स्वरूप का होता है.

(vi) असामान्य व्यवहार नियमित या सांसर्गिक होने के बजाय ऊँटपटांग या बेसिर पैर का होता है.

(vii) असामान्य व्यक्तियों के व्यवहार तनावपूर्ण एवं अत्यधिक संवेदनशील होता है.

यद्यपि यह कहना अति आवश्यक है कि उपर्युक्त विशेषताएं सभी असामान्य व्यक्तियों में समान मात्रा में नहीं पाई जाती है एक असामान्य व्यक्ति कौनसे असामान्य व्यवहारों का प्रदर्शन करेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति किस प्रकार की मानसिक विकृति से पीड़ित है.

Scanned with CamScanner